B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- षष्ठ

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA- G 612**	**संस्कृत साहित्य में नैतिक एवं सदाचार के तत्त्व**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

खण्ड – क (Section–A) महाभारत में सदाचार सम्बंधी विषय
खण्ड –ख (Section–B) रामायण में सदाचार सम्बंधी विषय
खण्ड–ग (Section–C) व्यक्तिगत सदाचार के विभिन्न विषय
खण्ड–ग (Section–D) स्वतंत्रता के विभिन्न विषय

पाठ्यक्रम का उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य में वर्णित नैतिक मूल्यों से परिचित कराना है। सदाचार के महत्वों को ह्रदयांगम कराकर छात्रों के जीवन को क्षेष्ठ बनाना है।

पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-

- इस के अध्ययन से छात्र सदाचार के स्वरूप एवं महत्व को समझकर उसका अनुसरण करेंगे ।
- इससे समाज में व्याप्त अनाचार ,भ्रष्टाचार दूर होंगे।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)
महाभारत में सदाचार सम्बंधी विषय

घटक (Unit)- 1– अर्ध सत्य और झूठे आडंबर - युधिष्ठिर द्वाराअश्वत्थामा की मृत्यु की घोषणा।

घटक (Unit)- 2 -अनिष्ट से बचना यथा - दुष्यन्त का शकुंतला को अस्वीकृत करना, अभिज्ञान शाकुंतलम् -अंक 5, युद्ध की आलोचना - महाभारत (स्त्रीपर्व)अध्याय 13-15)।

घटक (Unit)- 3 - युद्ध - जैसा होना चाहिए और जैसा है - (मनुस्मृति) अध्याय 7,199-200, 87-93 और कृष्ण का युद्ध में छल बल ।

घटक (Unit)- 4 -प्रतिशोध की भावना - अश्वत्थामा का पांडवों की संतान से बदला एवं

द्रौपदी से दुर्योधन का बदला ।

खण्ड –ख (Section–B)

रामायण में सदाचार सम्बंधी विषय

घटक (Unit) –1कर्तव्य का संघर्ष - राम का राजा बनाम पति ।

घटक (Unit) – 2 आज्ञाकारिता और वफादारी - लक्ष्मण की दशरथ को चुनौती , राम के प्रति समर्पण , बाल्मीकि रामायण के अनुसार ।

खण्ड–ग (Section–C)

व्यक्तिगत सदाचार के विभिन्न विषय

घटक (Unit) 1–आत्मसम्मान - नीतिशतकम्, श्लोक २१ - ३०. ।

खण्ड–ग (Section–D)

स्वतंत्रता सम्बंधी विभिन्न विषय

घटक (Unit) 1–काव्य स्वतन्त्रता और अधिकार (Poetic freedom and poetic license) **-**भारतीय काव्य एवं नाट्य में रचनात्मक अभिव्यक्ति और नाटकीयता, लोकप्रिय भारतीय सिनेमा

का मूल्यांकन भारतीय सिद्धान्तों के संदर्भ में ।

घटक (Unit) 2–व्यक्ति - गीता में स्वधर्म और स्थितप्रज्ञ : द्वितीय अध्याय ।

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप -

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

Suggested Books/Readings:

1. Mahabharata with Hindi translation – Gita Press Gorakhpur
2. Matilal Bimal Krishna – Moral Dilemmas in the Mahabharata

3. Sharma Kavita A.- Ethical Dilemmas in the Mahabharata - http://www.drkavitasharma.org/pdf/Ethical%20Dilemmas%20in%20Mahabharat.pdf
4. Das Gurcharan – 2009, The Difficulty of Being Good, Penguin (hindi translation)
5. http://www.wisdomtimes.com/blog/lessons-from-the-mahabharata-dealing-withmoral-dilemmas/#
6. http://jaiarjun.blogspot.in/2101/07/epic-fictions-rashomon-like-world-of.html
7. http://blogs.bu.edu/core/2101/02/16/on-arjunas-moral-dilemma/
8. http://www.cse.iitk.ac.in/users/amit/books/matilal-2002-ethics-epics-collectedv2.html
9. Gita – with Hindi translation, Gita Press, Gorakhpur
10. Koshambi d.d., nitisatakam, bhartiya vidya bhawan, mumbai, 1946
11. Shastri Surendra Dev, Abhijnana Sakuntalam, Sahitya Bhandar, Meerut
12. Vasudev Soma Dev, (Translation) Clay SansritSeries, New York Unievrsity Press
13. Ramayana of Valmiki, Ayodhyakanda, sanskritdocuments.org.